दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 44 | पंचकूला। शनिवार, 21 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

जीतने का मज़ा तब ही आता है, जब सब आपके हारने का इंतजार कर रहे हों।

एक नजर

चैत्र नवरात्र मेले के दूसरे दिन 24 लाख 7 हजार का चढ़ावा

पंचकूला। चैत्र नवरात्र मेले के दूसरे दिन आज श्री माता मनसा देवी मंदिर , श्री काली माता मंदिर कालका व चंडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने कुल 24 लाख 07 हजार 904 रूपये की राशि दान स्वरूप अर्पित की।माता मनसा देवी मंदिर में 27,500 श्रद्धालुओं, काली माता मंदिर कालका में 5000 और चंडी माता मंदिर में 1000 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने बताया की श्री माता मनसा देवी मंदिर में 18 लाख 49 ह?ार 334 रुपये, श्री काली माता मंदिर कालका में 1 लाख 89 हजार 860 रुपये और चंडी माता मंदिर में 3 लाख 68 हजार 710 रुपये दान स्वरूप अर्पित किए गए। इसके अलावा श्री माता मनसा देवी मंदिर में चांदी के 34 नग और काली माता मंदिर कालका में चाँदी के 4 नग भी दान स्वरूप अर्पित की गये।

माता की चौकी आज सेक्टर-21 में

पंचकूला। सेक्टर-21 स्थित शिव मंदिर में 21 मार्च शनिवार को सायं 6 बजे से माता की चौकी का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। आयोजक सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन विपिन लिड?डू ने बताया कि भजन गायक देशबंधु एंड पार्टी द्वारा कार्यक्रम में माता रानी के भजन सुनाए जाएंगे। धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से भक्ति संध्या भजन गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। शहर के कई गणमान्य लोग माता की चौकी में पहुंचेंगे। विपिन लिड?डू ने वार्ड नंबर 13 के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भक्ति आयोजन का हिस्सा बनें और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

सोशल मीडिया पर भी प्री-सर्टिफिकेशन जरूरी

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अब सभी राजनीतिक विज्ञापनों को जारी करने से पहले मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) से प्री-सर्टिफिकेशन लेना अनिवार्य होगा।

प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2.35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़े

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनावों के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी है। भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 रुपए पहुंच गई है। सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है।

भारत पेट्रोलियम यानी BPCL प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी HPCL इसे पावर और इंडियन ऑइल यानी IOCL XP-z के नाम से इसे बेचता है। ये सामान्य पेट्रोल के मुकाबले करीब 10-12 रुपए महंगा होता है।

पेट्रोल की कीमतों में यह बढ़ोतरी कच्चा तेल महंगा होने की वजह से की गई है। ईरान जंग की वजह से कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गए है। इंडियन बास्केट की कीमत तो 70 डॉलर से बढ़कर 156 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है।

इस बदलाव के साथ, पावर पेट्रोल और एक्सपी95 जैसे ब्रांडेड फ्यूल की कीमत लगभग 111.68 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर लगभग 113.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे आम वाहन चालकों को कुछ राहत मिली है।

प्रीमियम पेट्रोल की खासियतें

इस फैसले का असर खासतौर पर उन उपभोक्ताओं पर पड़ेगा जो हाई-ऑक्टेन या प्रीमियम पेट्रोल का इस्तेमाल करते हैं। प्रीमियम पेट्रोल आमतौर पर बेहतर इंजन परफॉर्मेंस, स्मूद ड्राइविंग और बेहतर माइलेज के लिए जाना जाता है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से कार और बाइक मालिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय माना जा रहा है। खासकर मेट्रो शहरों और हाई-परफॉर्मेंस वाहनों का इस्तेमाल करने वाले लोगों को इसका ज्यादा असर झेलना पड़ सकता है। हालांकि, सरकार या तेल कंपनियों की ओर से इस बढ़ोतरी के पीछे कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ती लॉजिस्टिक्स लागत इसके पीछे प्रमुख कारण हो सकते हैं।

खाना मंगवाना महंगा : जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस 19 प्रतिशत बढ़ाई, हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय 14.90 रुपए देने होंगे

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार से ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19त्न बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 12.50 रुपए के बजाय अब 14.90 रुपए यानी 2.40 रुपएज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। त्नस्त्र जो?ने के बाद यह राशि और बढ़ जाएगी।

प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज हैं। ये त्नस्त्र, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। बता दें कि जोमैटो प्लेटफॉर्म रोजाना 20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है।

जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी अभी टैक्स समेत लगभग 14.99 रुपए प्लेटफॉर्म फीस वसूल रही है। आमतौर पर देखा गया है कि जब भी इन दोनों में से कोई एक कंपनी फीस ब?ाती है, तो दूसरी कंपनी भी जल्द ही अपने दाम बढ़ा देती है।

2 रुपए से की थी जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस की शुरुआत

कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले सितंबर-2025 में 20त्न का इजाफा किया गया था। अगस्त 2023 में जोमैटो ने अपना मार्जिन बढ़ाने और प्रॉफिटेबल बनने के लिए पहली बार 2 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क शुरू किया था। कंपनी ने बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए कर दिया और 1 जनवरी 2024 को 4 रुपए कर दिया। फिर इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 7 रुपए कर दिया था। दीपिंदर गोयल और पंकज चड्ढा ने 2008 में फूडीबे नाम से अपनी फूड डायरेक्टरी वेबसाइट लॉन्च की थी। दो साल के बाद 2010 में कंपनी का नाम बदलकर जोमैटो किया गया था। दीपिंदर गोयल और पंकज चड्ढा ने 2008 में फूडीबे नाम से अपनी फूड डायरेक्टरी वेबसाइट लॉन्च की थी। दो साल के बाद 2010 में कंपनी का नाम बदलकर जोमैटो किया गया था।

नवरात्रि पर मां मनसा देवी मंदिर में कल लगेगा निःशुल्क कैंसर जांच शिविर

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर माता मनसा देवी सेवक दल धर्मार्थ एवं भंडारा कमेटी, पंचकूला द्वारा 22 मार्च रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक निःशुल्क स्तन एवं प्रोस्टेट कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में पीएसए टेस्ट, मैमोग्राफी के साथ जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग, कैंसर, यूरोलाजी, डेंटल और नेत्र जांच की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। कमेटी के संरक्षक सतपाल गर्ग, प्रधान किशोरी लाल, महासचिव श्री सिद्धार्थ गुप्ता एवं उपप्रधान संजय गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्घाटन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता प्रातः 10 बजे करेंगे, जबकि डीसी सतपाल शर्मा प्रातः 11 बजे निरीक्षण करेंगे। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। इस अवसर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. नीलम अग्रवाल , आन्कोलाजी एवं रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञ डा. राजनदीप सिंह, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ डा. गौरव शर्मा, डा. एन.बी. (यूरोलाजी), डा. आरके गर्ग (एमबीबीएस) फिजिशियन, डा. दुर्गेश सिंघल (बीडीएस) डेंटल सर्जन, डीसी ठाकुर साइंटिफिक आफिसर, राज कुमार (आप्टोमेट्रिस्ट) तथा अमरजीत (फार्मासिस्ट) शिविर में अपनी सेवाएं देंगे।

किशेरी लाल एवं संजय गुप्ता ने बताया कि नवरात्रि का यह पर्व सेवा, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं तक भंडारे एवं सेवाओं का लाभ पहुंचे। हम हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं। सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से हम समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोग समय पर जांच करवा सकें।

सीएम नायब सिंह सैनी ने फोरम 1 में सीएमजीजीए के फील्ड कार्यों की समीक्षा की, नए फोकस क्षेत्र घोषित किए

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को पंचकूला स्थित स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तिय प्रबंधन संस्थान, सैक्टर-3 पंचकूला में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी (सीएमजीजीए) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल, स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तिय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ राज नेहरू, जीवीएफ के सीईओ श्री सुमित कुमार, ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के सीईओ श्री साहिल अग्रवाल तथा हेड ऑफ प्रोग्राम्स सुश्री वसुंधरा उपस्थित रहीं।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने सीएमजीजी सहयोगियों द्वारा पिछले माह दो मॉड्यूल-ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और मानव संसाधन- के अंतर्गत किए गए फील्ड कार्यों का आंकलन किया। उन्होंने अब तक सहयोगियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और उन्हें राज्य के सुशासन तथा विकास संबंधी प्राथमिकताओं में सक्रिय योगदान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि फील्ड से उभरकर सामने आए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उपायुक्तों के साथ एक बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने सहयोगियों द्वारा चिन्हित चुनौतियों के प्रभावी समाधान के लिए जिला अधिकारियों के साथ अधिक सुदृ? समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस समीक्षा के दौरान सीएमजीजीए के लिए नए फोकस क्षेत्रों की भी शुरुआत की गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोगी हरियाणा में आयुष्मान भारत और चिरायु योजना के क्रियान्वयन को सुदृ? करने पर कार्य करेंगे। शिक्षा क्षेत्र में स्कूल अवसंरचना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जल क्षेत्र में जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन तथा तालाबों के पुनर्जीवन को प्राथमिकता दी जाएगी।

अब सहयोगी अपने-अपने जिलों में लौटकर नवप्रारंभित तथा प्रचलित दोनों मॉड्यूलों पर पुनः कार्य आरंभ करेंगे, जो राज्य के विकास एजेंडा के प्रमुख स्तंभ हैं। मुख्यमंत्री ने सहयोगियों को अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, विशेष रूप से जल और सीवरेज से जु? मुद्दों पर, तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद अधिकारियों से प्राप्त फीडबैक को भी शामिल करने को कहा।

सीएमजीजीए फोरम 1 का आयोजन 14 मार्च से 21 मार्च, 2026 तक किया जा रहा है, जो सीएमजीजीए सहयोगियों के दस सप्ताह के फील्ड इमर्शन के उपरांत आयोजित हो रहा है। यह फोरम सहयोगियों और वरिष्ठ नेतृत्व को प्रगति की समीक्षा करने, फील्ड स्तर की चुनौतियों की पहचान करने तथा हरियाणा की सुशासन प्राथमिकताओं के अनुरूप आगामी कार्यवाही तय करने का अवसर प्रदान करता है।

रेनोवेशन ना होने से शौचालयों की बदहाल स्थिति पर उठा सवाल, विकास मंच आयुक्त से मिला

पंचकूला। शहर के कुछ मार्केटों में रेनोवेशन के अभाव में कई शौचालय उपयोग के योग्य नहीं रह गए हैं, जिससे खासकर दुकानदारों और आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम द्वारा शौचालयों के रेनोवेशन का कार्य किया जाना है, लेकिन इंजीनियरिंग विंग की लापरवाही के चलते यह कार्य लंबित पड़ा है। कई बार मांग उठने के बावजूद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। इंजीनियरिंग विंग के अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं।

पंचकूला विकास मंच के राकेश अग्रवाल और देवराज शर्मा ने नगर निगम आयुक्त विनय कुमार से मुलाकात कर शौचालयों के जल्द रिनोवेशन की मांग की। उन्होंने बताया कि सेक्टर-12 मार्केट का रिनोवेशन लंबे समय से लंबित है, वहीं सेक्टर-14 में नगर निगम कार्यालय के पास स्थित शौचालय भी बंद पड़ा है। इसके अलावा सेक्टर-20 की मोटर मार्केट में शौचालय का रिनोवेशन तो हो चुका है, लेकिन अब तक सीवरेज लाइन नहीं बिछाई गई है, जिसके कारण वह उपयोग में नहीं आ पा रहा। विकास मंच के पदाधिकारियों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला, जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बैठक के दौरान रोड स्वीपिंग मशीन के कामकाज पर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि एग्रीमेंट के अनुसार मशीन द्वारा प्रभावी सफाई नहीं की जा रही। डेमो में दिखाया गया था कि मशीन 5 मीटर तक सड़क किनारे और बरम से कंकर-रोड़ी तक वैक्यूम से सफाई करेगी, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं हो रहा। साथ ही वर्ष 2019 में सफाई सुपरवाइजरों को दिए गए ई-स्कूटर भी अब खराब हो चुके हैं, जिससे निगरानी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 और 2 की सड़कों के किनारे बनाए गए फुटपाथों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए। मंच ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य घटिया स्तर का है और इसे दोबारा कराया जाना चाहिए।

आयुक्त ने दिया जांच का आश्वासन : नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं संबंधित साइट्स का निरीक्षण करेंगे और जिन कार्यों का डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड बाकी है, उन्हें संबंधित एजेंसियों से ठीक करवाया जाएगा।

रिकॉर्ड : 'धुरंधर 2' ने पहले दिन कमाए 97 करोड़ रुपए

मुंबई। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' यानी 'धुरंधर 2' ने 'जवान' का रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई।

ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 97 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस किया। 'धुरंधर 2' ने पेड प्रीव्यू में 47 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे को मिलाकर फिल्म की कुल कमाई 144 करोड़ रुपए पहुंच गई। ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क के अनुसार, पहले वीकेंड के लिए 200 करोड़ रुपए की एडवांस बुकिंग दर्ज की गई है।

युवा ही राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी हैं : डॉ. बृजपाल

पंचकूला। सेक्टर-1 स्थित गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। भारत और डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आधारित इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व एवं तकनीकी दक्षता की दिशा में प्रेरित करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शैलजा छाबड़ा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बृजपाल, संयुक्त निदेशक, हरियाणा कौशल विकास निगम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविंद द्विवेदी, जिला एनएसएस समन्वयक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं एनएसएस गीत के साथ हुआ, जिससे पूरे

वातावरण में श्रद्धा और उत्साह का संचार हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने शिविर की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उटपर जोर दिया। रेडक्रॉस सोसाइटी, पंचकूला की फर्स्ट एड और होम नर्सिंग लेक्चरर नीलम कौशिक द्वारा दोपहर में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर एक ट्रेनिंग सत्र संचालित किया गया। इस सत्र में स्वयंसेवकों को आपातकालीन परिस्थितियों में हृदय एवं श्वसन क्रिया पुनर्जीवन तथा प्राथमिक चिकित्सा की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। शिविर में स्वयंसेवकों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बनाया और सौ स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने शिविर के पहले दिन को सफल एवं प्रभावशाली बनाया। समापन में कार्यक्रम अधिकारी कीर्ति मलिक ने अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह शिविर युवाओं में सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करेगा और 'युवा मेरे भारत के लिए' एवं 'डिजिटल साक्षरता' की थीम को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुनवाई — सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, केंद्र सरकार ने दी जानकारी

एनसीईआरटी किताब विवाद, सरकार ने बनाई तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली, 20 मार्च। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 की किताब में न्यायपालिका से जुड़े चेप्टर को फिर से लिखने के लिए तीन सदस्यों वाली एक विशेषज्ञ समिति का गठन हुआ है। शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। इसमें पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, जस्टिस इंदु मल्होत्रा और जस्टिस अनिरुद्ध बोस को शामिल किया गया है। सरकार ने ये फैसला एनसीईआरटी की किताब के उस हिस्से पर हुए विवाद के बाद उठाया है, जिसमें

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का जिक्र था। कमेटी के गठन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपनी तरफ से शुरू की गई सुनवाई को खत्म कर दिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने हाल ही में कक्षा 8 के लिए सामाजिक विज्ञान की पुस्तक एक्सप्लोरिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड (भाग-2) प्रकाशित की थी। इस पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक से एक पाठ शामिल था।

एनसीईआरटी ने मानी थी गलती

सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद एनसीईआरटी ने गलती मानते हुए चैप्टर को वापस ले लिया था। एनसीईआरटी के निदेशक और परिषद के सदस्यों ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि इस अध्याय के कारण उत्पन्न स्थिति के लिए वे बिना किसी शर्त और बिना किसी स्पष्टीकरण के सार्वजनिक रूप से क्षमा चाहते हैं। एनसीईआरटी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि विवादित अध्याय वाली पूरी पुस्तक को वापस ले लिया गया है। यह पुस्तक कहीं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। परिषद ने कहा कि अध्याय के कारण उत्पन्न असुविधा के लिए उन्हें खेद है और वे सभी संबंधित पक्षों की समझदारी की सराहना करते हैं। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोबारा लिखा गया चैप्टर तब तक प्रकाशित नहीं किया जाएगा, जब तक डोमेन एक्सपर्ट कमेटी इसकी समीक्षा नहीं कर लेती। इसके बाद, कोर्ट ने मामले में केंद्र सरकार को डोमेन एक्सपर्ट कमेटी के गठन का आदेश दिया था।

भारत का दूसरा सबसे बड़ा टाटा स्टील प्लांट का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

2700 युवाओं को सीधे तौर पर और 10 हजार युवाओं को अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार: मान

- पंजाब के युवाओं को अब घर में ही मिल रही हैं नौकरियां, देश छोड़कर विदेश जाने की नहीं कोई जरूरत

पंचकूला ऑब्जर्वर

लुधियाना, 20 मार्च। पंजाब में औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लुधियाना में टाटा स्टील के भारत के दूसरे सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्लांट लगभग 3200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है और राज्य में औद्योगिक पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्लांट से करीब 2700 युवाओं को सीधे और 10 हजार से अधिक युवाओं को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब पंजाब के युवाओं को रोजगार के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य में ही नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस आधारित ग्रीन स्टील प्लांट है, जो 100 प्रतिशत स्टील स्क्रैप का उपयोग करेगा और पर्यावरण के अनुकूल होगा। इससे पंजाब ग्रीन ऊर्जा के माध्यम से स्टील उत्पादन शुरू करने वाला अग्रणी राज्य बन गया है।

पिछली सरकारों की गलत नीतियों के कारण उद्योग पंजाब से बाहर गए

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पिछली सरकारों की गलत नीतियों के कारण उद्योग पंजाब से बाहर चले गए थे, लेकिन अब उद्योग-समर्थक नीतियों के चलते कंपनियां फिर से पंजाब का रुख कर रही हैं। उन्होंने टाटा स्टील के निवेश को राज्य के भविष्य में विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लुधियाना जैसे शहर पहले से ही उद्योग और उद्यमिता के केंद्र रहे हैं और यह प्लांट उस परंपरा को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार पंजाब को देश का सबसे पसंदीदा औद्योगिक गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जापान जैसे देश पहले ही बड़े पैमाने पर ग्रीन ऊर्जा की ओर बढ़ रहे

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जापान जैसे देश पहले ही बड़े पैमाने पर ग्रीन ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रोजेक्ट दर्शाता है कि पंजाब भविष्य में निवेश कर रहा है। पंजाब का मजबूत हवाई, रेल और सड़क संपर्क इसे व्यापार के लिए आदर्श स्थान बनाता है। हमने टाटा समूह के साथ यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों के लिए अधिक उड़ानें शुरू करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि यह राज्य गुरुओं, संतों, पीरों, शहीदों और देशभक्तों की पवित्र धरती है, जहां नफरत के बीज को छोड़कर हर बीज उग सकता है। पंजाब ने खाद्य और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे देश का अन्नदाता और खड्ग भुजा का दर्जा प्राप्त है। इस प्लांट के साथ राज्य भर में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने टाटा स्टील और उद्योग जगत को पूरा सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि वे पंजाब की प्रगति में भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आज हम इतिहास लिख रहे

सीएम ने कहा कि आज हम इतिहास लिख रहे हैं क्योंकि टाटा न केवल पैसा निवेश कर रहा है, बल्कि अपनी साख भी पंजाब के नाम कर रहा है। 115 एकड़ में फैले इस प्लांट में निवेश 2600 करोड़ रुपये से बढ़कर 3200 करोड़ रुपये हो गया है और यह 100 प्रतिशत स्टील स्क्रैप को कच्चे माल के रूप में उपयोग करेगा, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल रहेगा। टाटा समूह के छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में यूनिट कार्यरत हैं और इनमें 10 लाख से अधिक लोग काम करते हैं। पंजाबी ईमानदारी और समर्पण भावना से काम करने में विश्वास रखते हैं, जिन्होंने हमेशा उद्योग और कर्मचारियों के बीच संबंधों को मजबूत किया है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान 1.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे युवाओं के लिए पांच लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। हमारा दृष्टिकोण सरल है— स्थिर नीतियां, तेज फैसले और मजबूत औद्योगिक साझेदारी। रा'य सरकार को बाधाएं खड़ी करने की बजाय निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए।

'आप' सरकार की बिना किसी पाबंदी के 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की गारंटी...

चंडीगढ़, 20 मार्च। 'शानदार चार साल, भगवंत मान के साथ' श्रृंखला के तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सरकार के चार वर्षों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इससे पहले कृषि और सिंचाई क्षेत्र में सरकार के कार्यों का ब्यौरा दिया जा चुका है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'शर्तों वाली' आयुष्मान भारत योजना और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के बीच स्पष्ट अंतर बताते हुए इसे एक सार्वभौमिक और सुलभ स्वास्थ्य मॉडल करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत बिना किसी शर्त के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना पर लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मान ने कहा, ÷मुख्यमंत्री सेहत योजना सभी के कल्याण के लिए बनाई गई है और इसके बारे में गलत जानकारी फैलाना पंजाब के हित में नहीं है।÷ उन्होंने बताया कि यह योजना विशेष रूप से कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण इलाज तक सीधी पहुंच देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने इसे देश की अपनी तरह की पहली योजना बताते हुए कहा कि यह हर परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पंजाब ऐसा पहला राज्य बन गया है जहां व्यापक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित किया गया है, जिससे लोगों पर इलाज का आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हुआ है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों और आम नागरिकों को सुविधा केंद्रों, कॉमन सर्विस सेंटरों या पहचान पत्रों के माध्यम से पंजीकरण कर स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

अफवाहों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व जानबूझकर योजना के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं ताकि लोग इसके लाभ से वंचित रह जाएं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अधिकांश निजी अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचीबद्ध किया है, जहां करीब 2600 बीमारियों का इलाज निर्धारित दरों पर किया जा रहा है। केंद्र की आयुष्मान भारत योजना से तुलना करते हुए मान ने कहा कि पंजाब सरकार प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य पर कहीं अधिक खर्च कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य ने 3 करोड़ की आबादी के लिए 2000 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं, जबकि केंद्र ने 140 करोड़ लोगों के लिए अपेक्षाकृत कम बजट रखा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना में किसी प्रकार की शर्त नहीं है, जो इसे अधिक प्रभावी बनाती है।

सरकार के अनुसार, पंजाब और चंडीगढ़ के लगभग 900 सरकारी और निजी अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं और अब तक 25 लाख से अधिक लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 1.6 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज किया जा चुका है। वित्तीय प्रावधानों के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 1200 करोड़ और 2026-27 के लिए 2000 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना 2356 चिकित्सा और सर्जिकल प्रक्रियाओं को कवर करती है, जिनमें हृदय, कैंसर, गुर्दे और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं।

धोखाधड़ी से चीन के कुछ नागरिकों के खातों में पैसे भेजने वाले म्यूल अकाउंट गिरोह के 3 काबू

खातों में पड़े 20 लाख रुपये किये फ्रीज, 5100 अमेरिकी डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी बरामद

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान पंजाब पुलिस के स्टेट साइबर क्राइम डिवीजन ने साइबर धोखाधड़ी करने वालों को फर्जी फंडों की रूटिंग, लेयरिंग और सेटलमेंट के लिए चालू बैंक खाते (म्यूल खाते) खोलने और उपलब्ध करवाने में शामिल गिरोह के तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार करके गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी। म्यूल खाता ऐसा बैंक खाता होता है, जिसे अपराधी खाता धारक की जानकारी के बिना या कई बार उसकी मिलीभगत से गैर-कानूनी फंड प्राप्त करने, ट्रांसफर करने या लॉन्ड्रिंग करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरजीत सिंह, रमन राय और सुखदेव सिंह के रूप में हुई है, जो सभी फाजिल्का के जलालाबाद के निवासी हैं और वर्तमान में मोहाली के फेज-5 में किराए के कमरे से 'ब्रदर ट्रेडर्स' के नाम से चालू बैंक खातों के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी में सक्रिय थे। पुलिस टीमों ने गिरोह से जुड़े बैंक खातों में लगभग 20 लाख रुपये जब्त किए हैं। इसके अलावा 23 ए.टी.एम. कार्ड, दो लैपटॉप, सात मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, जाली बैंक / केवाईसी दस्तावेज जिनमें 14 चेक बुकें और उद्यम सर्टिफिकेट, छह टिकटें और 5100 यूएसडीटी मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी बरामद की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी पिछले दो सालों से ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल थे, साइबर धोखाधड़ी करने वालों को म्यूल बैंक खाते प्रदान करके अब तक लगभग 50 लाख रुपये का कमीशन कमा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, ''बैंक खाते जाली तरीके और फर्जी दस्तावेजों से खोले गए थे और जांच से बचने के लिए, आरोपियों ने मोहाली में एक किराए के कमरे में फर्जी कारोबार सेट किया हुआ था और समय-समय पर होर्डिंग बदलते रहते थे।'' ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) साइबर क्राइम वी. नीरजा ने कहा कि यह कार्रवाई साइबर अपराध को रोकने के लिए चल रहे ऑपरेशनों के तहत की गई है।

उन्होंने कहा, ''जांच से पता लगा है कि आरोपी व्यक्ति टेलीग्राम के माध्यम से सीधे तौर पर चीनी नागरिकों से जुड़े हुए थे और उन्हें बैंक खाते प्रदान करवाकर यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में मुनाफा प्राप्त करते थे।'' उन्होंने यह भी कहा कि आई4सी के समन्वय पोर्टल पर पुष्टि किए गए अंतर-राज्यीय लिंकेज के माध्यम से ये म्यूल खाते 24 साइबर धोखाधड़ी पीड़ितों से जुड़े हुए थे, जिनमें 26.65 लाख रुपये लीन मार्क कर दिए गए हैं। विशेष डीजीपी ने कहा कि इस गिरोह से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के अन्य पीड़ितों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क की पड़ताल के लिए बरामद किए गए ए.टी.एम. कार्डों की जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 16 दिनांक 17/3/2026 को पुलिस स्टेशन स्टेट साइबर क्राइम, पंजाब में बीएनएस की धारा 318(4) और 61(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट की धारा 66डी के तहत केस दर्ज किया गया है।

विजिलेंस ब्यूरो ने जूनियर इंजीनियर को 14 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, 20 मार्च। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान, पीएसपीसीएल दफ्तर तलवंडी साबो, जिला बठिंडा में तैनात जूनियर इंजीनियर लखवीर सिंह को 14,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में आज यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को तलवंडी साबो, जिला बठिंडा के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के बेटे ने अपनी गाड़ी पार्क करते समय गली में स्थित बिजली के खंभे से टक्कर मार दी। गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और खंभा भी टूट गया। आरोपी रेशम सिंह ए.एल.एम. और लखबीर सिंह जे.ई. मौके पर पहुंचे और कहा कि आपकी गाड़ी जब्त कर ली जाएगी। दोनों आरोपियों ने मामले को सुलझाने के लिए 25,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता के कहने पर वे 25,000 रुपये की बजाय 15,000 रुपये रिश्वत लेने के लिए तैयार हो गए। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने संबंधी पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज बठिंडा से संपर्क किया। उसकी शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने एक जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी जूनियर इंजीनियर को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 14,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना बठिंडा में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसके सह-आरोपी रेशम सिंह ए.एल.एम. को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

'गैंगस्टरां ते वार': दो महीनों में 15 हजार से अधिक व्यक्ति गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के दो महीने पूरे हो गए हैं। इस दौरान पंजाब पुलिस ने मुहिम की शुरुआत से अब तक राज्य भर में 46,915 स्थानों पर छापेमारी कर गैंगस्टरों और उनसे जुड़े अपराधियों सहित 15,683 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष कार्रवाई कर रही हैं। स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीमों ने गिरफ्तार व्यक्तियों के कब्जे से 309 हथियार, 929 जिंदा कारतूस, 94 मैगजीन, 132 तेजधार हथियार और 6 हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। इसके अलावा, 7831 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 13,132 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 745 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

आज अभियान के 59वें दिन, पुलिस टीमों ने 599 स्थानों पर छापेमारी कर 225 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जबकि 59 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई और 5 भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं साझा कर सकते हैं।

युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान से बदल रही जिंदगियां, रोजगार बना रिकवरी की मजबूत नींव

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 मार्च। पंजाब में नशों के खिलाफ चल रही जंग अब सकारात्मक बदलाव दिखा रही है। भगवंत मान सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान के तहत केवल सख्त कानून लागू करने पर ही नहीं, बल्कि नशा पीड़ितों के पुनर्वास और समाज में पुनर्एकीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका असर जिलों में साफ दिख रहा है, जहां नशे की दलदल में फंसे लोग अब सामान्य और स्थिर जीवन की ओर लौट रहे हैं। अभिषेक कुमार (बदला हुआ नाम) इस बदलाव की एक मिसाल हैं। कुछ साल पहले नशे की लत ने उनकी जिंदगी को पूरी तरह प्रभावित कर दिया था। रोजमर्रा के काम भी मुश्किल हो गए थे और परिवार को उनकी जान की चिंता सताने लगी थी। आज अभिषेक एक स्थिर नौकरी कर रहे हैं और अपने परिवार से दोबारा जुड़ चुके हैं। वे कहते हैं, 'नौकरी मिलने से मेरी जिंदगी बदल गई। इससे मुझे सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिली।'

अभिषेक की रिकवरी एक दिन में नहीं हुई। परिवार के सहयोग, नियमित इलाज, काउंसलिंग और 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान के तहत मिली पुनर्वास सेवाओं के साथ-साथ रोजगार सहायता ने उन्हें आत्मविश्वास और स्थिरता वापस दिलाई।

इसी तरह नवदीप कुमार (बदला हुआ नाम) के जीवन में बदलाव की शुरुआत उनके परिवार से हुई। घर में लगातार झगड़ों और भावनात्मक दूरी ने उन्हें अपनी स्थिति का एहसास कराया। वे बताते हैं, 'मेरी मां ने मुझे सही रास्ते पर वापस लाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।' इलाज पूरा करने के बाद उन्हें रोजगार सहायता मिली और अब वे निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनके अनुसार, नौकरी ने उनके जीवन में अनुशासन और उद्देश्य दोनों लौटाए।

गुरजिंदर सिंह (बदला हुआ नाम) की कहानी भी रिकवरी के दूसरे पहलू को उजागर करती है। नशे ने न केवल उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया, बल्कि आर्थिक स्थिरता और पारिवारिक भरोसा भी खत्म कर दिया था।

महिलाओं के मुफ्त सफर पर 2042 करोड़ का बड़ा निवेश—मान सरकार की मजबूत पहल: डॉ. बलजीत

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार ठोस और जनहितैषी कदम उठाए जा रहे हैं, जो उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक महिलाओं के मुफ्त बस सफर के लिए लगभग 2042 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें वर्ष 2022-23 के दौरान 495 करोड़, 2023-24 में 497.50 करोड़, 2024-25 में 450 करोड़ और 2025-26 में 600 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत हर महीने लगभग 1 करोड़ 20 लाख मुफ्त बस यात्राओं का लाभ पूरे पंजाब की महिलाएं उठा रही हैं, जो इस योजना की लोकप्रियता और प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सामाजिक सुरक्षा मंत्री ने कहा कि यह सुविधा केवल मुफ्त सफर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के जीवन में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की नई लहर लेकर आई है। अब महिलाएं बिना किसी आर्थिक चिंता के शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसानी से पहुंच बना रही हैं, जिससे वे अधिक आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही हैं। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही एक प्रगतिशील समाज की आधारशिला है और पंजाब सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी महिलाओं के कल्याण के लिए और अधिक प्रभावशाली एवं जनहितैषी पहलें जारी रहेंगी।

पंजाब सरकार ने पिछड़ी श्रेणियों के कल्याण हेतु 11 नए बोर्ड किए स्थापित

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 मार्च। पंजाब सरकार पिछड़ी श्रेणियों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बात मलकीत सिंह थिंद, चेयरमैन, पंजाब राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने पंजाब भवन में पिछड़ी श्रेणियों के लिए नवगठित 11 बोर्डों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सदस्यों के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से पहले ही कई कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं और अब नए बोर्डों की स्थापना से इन प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

बैठक के दौरान बैकफिंको के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्व-रोजगार के लिए कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इसके तहत किराना दुकानों, डेयरी फार्मिंग जैसी गतिविधियों के लिए 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के पंजाब के निवासी पात्र हैं। इसके अलावा, एनबीसीएफडीसी की सहायता से विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण भी प्रदान किए जाते हैं।

आशीर्वाद योजना के संबंध में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के दौरान 89 करोड़ रुपये जारी कर 17,533 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया गया है। इसी प्रकार, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (ओबीसी) के अंतर्गत 12.59 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है और एनएसपी पोर्टल के माध्यम से 10,092 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में ओबीसी विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं और शीघ्र ही धनराशि प्राप्त होने की संभावना है। साथ ही, सरकारी नौकरियों और प्रवेशों में पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षण की सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। चेयरमैन श्री थिंद ने बोर्डों के सदस्यों को निर्देश दिए कि यदि किसी भी पात्र व्यक्ति को पिछड़ी श्रेणी का प्रमाण पत्र बनवाने में कोई कठिनाई आती है, तो उसे तुरंत संबंधित जिला अधिकारी के ध्यान में लाया जाए, ताकि आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक के दौरान सुखविंदर सिंह, चेयरमैन, कंबोज कल्याण बोर्ड; बारी सलमानी उर्फ अब्दुल बारी, चेयरमैन, पंजाब राज्य मुस्लिम भलाई बोर्ड; राम कुमार मुकारी, चेयरमैन, सैनी भलाई बोर्ड; गुरमीत सिंह बावां, चेयरमैन, वैरागी भलाई बोर्ड; सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर राजकुमार, चेयरमैन, गुर्जर भलाई बोर्ड; केशव वर्मा, चेयरमैन, स्वर्णकार भलाई बोर्ड; मख्खन लाल, चेयरमैन, सैन समाज भलाई बोर्ड; डैनियल मसीह, चेयरमैन, मसीह भलाई बोर्ड; सतपाल सिंह सोखी, चेयरमैन, रामगढ़िया भलाई बोर्ड; तथा राजू कनोजिया, चेयरमैन, कनोजिया भलाई बोर्ड उपस्थित थे।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना गुरुकुल का मुख्य उद्देश्यः आचार्य देवव्रत

गुरुकुल शिक्षा उत्सव में उमड़ा जनसैलाब : 9वीं और 11वीं में प्रवेश हेतु आए तीन हजार से अधिक छात्र व अभिभावक

पंचकूला ऑब्जर्वर

कुरुक्षेत्र, 20 मार्च। संस्कारों के अभाव और उचित मार्गदर्शन के अभाव में आज की युवा पीढ़ी भारतीय जीवन मूल्यों से दूर होती जा रही है जो अभिभावकों के साथ-साथ समाज के लिए भी चिंता का विषय है। गुरुकुल शिक्षा पद्धति में छात्रों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ उन्हें मानवीय मूल्यां व वैदिक संस्कारों से पोषित किया जाता है ताकि वह बुढ़ापे में मां-बाप की लाठी बनें और उनकी खूब सेवा करें। उक्त शब्द गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत जी ने आज गुरुकुल ज्योतिसर में आयोजित 'गुरुकुल शिक्षा उत्सव' में पधारे अभिभावकों व छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहे। इस अवसर पर वैदिक विद्वान् डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, जगदीश आर्य, शिवकुमार आर्य, महिन्द्र आर्य, आर्यकुलम के प्राचार्य दिनेश राणा, गुरुकुल ज्योतिसर के प्राचार्य अरूण आर्य, श्रीमती कविता चौधरी व अन्य महानुभाव मौजूद रहे।

आचार्यश्री ने कहा कि गुरुकुल में छात्रों का सर्वांगीण विकास होता जिसमें उत्तम स्वास्थ्य, उत्तम शिक्षा और उत्तम विचार मुख्य है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन को साकार करने की दिशा में गुरुकुल अहम भूमिका निभा रहा है क्योंकि गुरुकुल में बच्चों को अक्षरज्ञान के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों से भी अवगत कराया जाता है। उन्हें प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है, गुरुकुल की अत्याधुनिक गोशाला में पशुपालन की पूरी जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली अक्सर तनाव और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है, जबकि गुरुकुल शिक्षा एक संतुलित, मूल्य-आधारित और तनाव-मुक्त वातावरण प्रदान करती है। उन्होंने एक सशक्त और जिम्मेदार भविष्य पीढ़ी के निर्माण के लिए भारतीय परंपराओं से पुनः जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। वैदिक विद्वान् डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली भारतीय संस्कृति और परंपराओं में गहराई से निहित है तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास पर बल देती है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सशक्त चरित्र का निर्माण करती है, जिससे विद्यार्थी केवल शैक्षणिक सफलता ही नहीं बल्कि जीवन के लिए भी तैयार होते हैं।

गुरुकुल के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने अपने उद्बोधन में गुरुकुल की शैक्षिक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सत्र 2024-25 में गुरुकुल कुरुक्षेत्र से 13, गुरुकुल ज्योतिसर से 06 तथा गुरुकुल नीलोखेड़ी से 01 छात्र का एनडीए में चयन हुआ है वहीं छात्र आईआईटी में 7 छात्रों ने सफलता हासिल की। एनआईटी और सरकार कॉलेज में एडमिशन की बात करें तो 11 छात्रों ने सफलता पायी जिसमें 09 गुरुकुल कुरुक्षेत्र से तथा 2 गुरुकुल ज्योतिसर कैम्पस से रहे। इसी क्रम में गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 06 तथा ज्योतिसर के 02 छात्र नीट में सफल हुए। ट्रीपल आईटी में गुरुकुल के 03 छात्र तथा ज्योतिसर के 02 छात्रों ने सफलता अर्जित की। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र को एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा पिछले आठ वर्षों से नंबर वन आवासीय विद्यालय के खिताब से नवाजा गया है वहीं देशभर के स्कूलों को पीछे छोड़ते हुए गुरुकुल को 'स्कूल एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों में हमारे गुरुकुलों से 84 छात्र एनडीए में, 46 छात्र आईआईटी, 47 छात्र एनआईटी व सरकारी कॉलेज में तथा 18 छात्र नीट में चयनित हुए हैं जो गुरुकुल परिवार के लिए हर्ष का विषय है। 10वीं और 12वीं के सीबीएसई रिजल्ट की बात करें तो गुरुकुल के सभी छात्र अधिकांश छात्र मेरिट प्राप्त करते हैं।

भीषण सड़क हादसा में चार वाहन भिड़े जिंदा जलने से किशोरी की दर्दनाक मौत

पंचकूला ऑब्जर्वर

समालखा, 20 मार्च। पानीपत-दिल्ली नेशनल हाइवे पर राजा गार्डन के समीप बृहस्पतिवार रात कों एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें सड़क पर खड़ी खराब कार के कारण एक के बाद एक चार वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में करीब 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली नंबर की एक सिलेरियो कार जीटी रोड पर खराब होकर खड़ी थी। जिसमें कार सवार लोग मदद का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एमजी हैक्टर कार, जिसे कुरुक्षेत्र निवासी सुनील चला रहा था, ने सिलेरियो के पास धीमी गति की। तभी पीछे से आ रही सवारियों से भरी ईको गाड़ी ने हैक्टर को टक्कर मार दी।

बताया जा रहा है कि ईको में सवार लोग नीचे उतर ही रहे थे कि इसी बीच पीछे से आई राजस्थान रोडवेज की बस ने ईको को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको गाड़ी में आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार , आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया। आग की चपेट में आई किशोरी वाहन से बाहर नहीं निकल सकी और जिंदा जल गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार मृतक युवती की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क पर खड़ी खराब गाड़ी इस हादसे का मुख्य कारण हो सकती है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

डीएसपी सतीश वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि समालखा नेशनल हाईवे 44 पर सड़क हादसा हुआ है। सड़क पर एक गाड़ी खराब खड़ी थी। जिसको पीछे से एक अन्य गाड़ी ने टक्कर मार दी। वहीं तभी पीछे से सवारी से भरी इक्को गाड़ी ने भी टक्कर मार दी। जिसमें कुछ सवारियां घायल हो गई। सभी सड़क किनारे आपस में झगड़ा कर रहे थे। तभी राजस्थान रोडवेज की बस ने इक्को कों पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के दौरान एक किशोरी इक्को गाड़ी में बैठी थी। टक्कर के कारण गाड़ी में आग लगने से उसकी मौत हो गई। राजस्थान रोडवेज बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर किसी भी व्यक्ति को न हो कोई परेशानीः उपायुक्त

सोनीपत। घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए उपायुक्त सुशील सारवान ने लघु सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधियों तथा गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान जिले में घरेलू गैस की वर्तमान आपूर्ति स्थिति, उपभोक्ताओं को समय पर डिलीवरी, लंबित बुकिंग, वितरण तंत्र की पारदर्शिता और शिकायत निवारण प्रणाली की गहन समीक्षा की।

उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिला के शिक्षण संस्थानों में बने हॉस्टलों में गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, ताकि हॉस्टल में रहने बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।सारवान ने कहा कि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एक गंभीर समस्या है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गैस गोदामों, एजेंसियों और वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। यदि कहीं भी गैस सिलेंडर की अवैध बिक्री, स्टॉक में गड़बड़ी या घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों व एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे उपभोक्ताओं को निर्धारित समयावधि में गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित करें। साथ ही, उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली या अनुचित व्यवहार की शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा साझी जिम्मेदारी, सभी करें यातायात नियमों की पालनाः जस्टिस बत्तरा

- सड़क सुरक्षा एवं मानव अधिकार विषय पर आयोजित सेमिनार में की शिरकत

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 20 मार्च। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरमैन ललित बत्तरा ने कहा कि सड़क सुरक्षा साझी जिम्मेदारी है। हम सभी को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आगे बढ़कर नियमों का पालन करना होगा। सड़क सुरक्षा मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

सड़क सुरक्षा और मानव अधिकार का संबंध भी काफी गहरा है। चेयरमैन ललित बत्तरा शुक्रवार को गांव पाड़ला स्थित अशोक लेलैंड ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में सड़क सुरक्षा एवं मानव अधिकार विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। सबसे पहले उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चेयरमैन ललित बत्तरा ने कहा कि जब हम मानव अधिकार की बात करते हैं, तो सबसे बेसिक और जरूरी अधिकार जिंदगी और व्यक्तिगत सुरक्षा का अधिकार है। सड़क पर निकलने वाला हर इंसान चाहे वह ड्राइवर हो, पैदल चलने वाला हो, साइकिल वाला हो, या पैसेंजर हो उसे अपनी मंजिल तक सुरक्षित पहुंचने का अधिकार है। असुरक्षित यातायात सीधे तौर पर इस मानव अधिकार के लिए खतरा हैं। सड़क दुर्घटनाएं अधिकतर लापरवाही, सेफ्टी उपायों की कमी के कारण होती हैं, तो वे मानव अधिकार, खासकर जिंदगी के अधिकार का उल्लंघन होती हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को किया सम्मानित

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने भी कहा कि सड़क सुरक्षा विषय पर जागरूकता बहुत जरूरी है। सभी को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि वे स्वयं सुरक्षित रहे और अन्य नागरिकों को भी सुरक्षित करें। ड्राइवर के हाथ में दूसरों की जिंदगी भी होती है, इसलिए उसे सावधानी पूर्वक नियमों का पालन करते हुए ड्राइविंग करनी चाहिए। ड्राइविंग की तहजीब से ही उनकी पहचान होती है। उन्होंने विदेशों में यातायात नियमों का उदाहरण देते हुए गहनता से जानकारी दी। इसके अलावा दिव्य ज्योति जागृति संस्थान से स्वामी गुरदेवानंद, अशोक लैलेंड के निदेशक धर्मेंद्र पाल सिंह, एडवोकेट अरविंद खुरानिया, राजबीर सिंह, एडवोकेट रणबीर परासर, डॉ. मिनाक्षी गोयल, आशा वर्कर कविता, छात्रा कनिका ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरमैन ललित बत्तरा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया। माईल स्टोन स्कूल के बच्चों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति की गई।

चोरी के मामले में आरोपी काबू मोटरसाईकिल बरामद

अम्बाला। अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना अम्बाला छावनी में दर्ज मोटरसाईकिल चोरी करने के मामले में 19 मार्च 2026 को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में सलिप्त आरोपी रेशम कुमार निवासी गाँव बी? सूजरा थाना बबैन जिला कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार किया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में शिकायतकर्ता पंकज निवासी कुम्हार मण्डी चैक कच्चा बाजार अम्बाला छावनी जिला अम्बाला ने 11 मार्च 2026 को थाना अम्बाला छावनी में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 05/06 मार्च 2026 को कुम्हार मण्डी चैक कच्चा बाजार अम्बाला छावनी से अज्ञात आरोपी ने उसकी मोटरसाईकिल चोरी की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उससे मोटरसाईकिल बरामद की है।

फाइलों की रफ्तार ही सरकार की कार्यक्षमता का पैमाना : विज

- श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रशासनिक व्यवस्था में गति और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का किया आह्वान

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़ 20 मार्च। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रशासनिक व्यवस्था में गति और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि किसी भी सरकार की कार्यक्षमता का सही आकलन उसके कार्यालयों में फाइलों की गति से किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जब फाइलें समय पर आगे बढ़ती हैं, तो उसका सीधा लाभ आम जनता को मिलता है और विकास कार्यों को नई रफ्तार मिलती है। अनिल विज ने स्पष्ट किया कि उनकी कार्यशैली का मूल सिद्धांत यही है कि कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित न रहे।

इसी उद्देश्य से वे अपने विभागों की नियमित समीक्षा करते हैं और अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हैं कि प्रत्येक फाइल का शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक देरी न केवल विकास कार्यों को प्रभावित करती है, बल्कि इससे जनता का विश्वास भी कमजोर होता है।

इसी क्रम में आज उनके वरिष्ठ सचिव विजय शर्मा और निजी सचिव दलबीर सिंह अंबाला पहुंचे, जहां मंत्री ने ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम विभाग से संबंधित फाइलों की स्थिति की समीक्षा कर उनका त्वरित निपटान सुनिश्चित किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं और किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो।

मंत्री ने बताया कि अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और उसका मूल उद्देश्य जनकल्याण है, इसलिए हर अधिकारी और जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वह पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे।

उन्होंने आगे कहा कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना भी है।

जब तक फाइलों का समय पर निपटान नहीं होगा, तब तक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच सकेगा।

अनिल विज ने दोहराया कि उनके कार्यालय में किसी भी फाइल को अनावश्यक रूप से रोका नहीं जाता, ताकि विकास कार्यों में तेजी आए और प्रदेश की जनता को बेहतर, समयबद्ध और प्रभावी सेवाएं मिल सकें।

घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए विभाग ने की छापेमारी

निसिंग । घरेलू गैस वितरण एजेंसियो पर गैस रिफिल करवाने वाले उपभोक्ताओं की धक्का मुक्की और लंबी कतारों के मद्देनजर फूड सप्लाई विभाग हरकत में आया। करनाल डीएफएससी के आदेशानुसार विभाग की टीम ने निसिंग में छापेमारी की।

इससे बाजार में हड़कंप मच गया। विभाग के उपनिरीक्षक तरसेम कुमार, निरीक्षक रविंद्र कुमार व एफएसओ मुकेश कुमार ने बाजार में होटल, ढाबों, मिष्ठान की दुकानों और गोदामों सहित चाय के खोखो पर छापेमारी के दौरान जांच की। उन्होंने दो सिलेंडर भी जब्त किए। इस दौरान दुकानदारों में हड़कंप मच गया। तरसेम कुमार ने बताया कि उन्होंने जांच रिपोर्ट डीएफएससी को भेज दी है। जिसके आधार पर विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी। गैस एजेंसी का निरीक्षण भी किया। जिसमे पता चला की बीते चार दिनों में शाहिद प्रवेश गैस एजेंसी ने 1987 सिलेंडर वितरण किए हैं।

शहीदी दिवस पर हरियाणा के 50 गांवों के युवा पहुंचेंगे हुसैनीवाला

चंडीगढ़। शहीदी दिवस के अवसर पर हरियाणा के फतेहाबाद जिले के युवा देशभक्ति की मिसाल पेश करेंगे। 50 गांवों से 250 से ज्यादा युवा हुसैनीवाला स्मारक पर पहुंचकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुलां ने शुक्रवार को बताया कि सतलुज नदी के तट पर स्थित यह ऐतिहासिक स्थल देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा का प्रतीक है।

भावी पीढ़ी को भगवान श्री परशुराम के पद चिन्हों पर चलने की प्रेरणा मिलेगी भव्य चौक सेः डा. अरविंद

कैबिनेट मंत्री ने विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की

पंचकूला ऑब्जर्वर

पिहोवा, 20 मार्च। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी को पिहोवा में बनाए गए भगवान श्री परशुराम चौक से प्रेरणा मिलेगी। इस चौक से भगवान श्री परशुराम के आदर्शों पर आगे बढ़ने के लिए युवाओं को आत्म बल मिलेगा। इतना ही नहीं यह भव्य चौक तीर्थ नगरी पिहोवा के सौंदर्यीकरण में भी चार चांद लगाएगा। पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने पिहोवा में नगरपालिका की तरफ से बनाए गए भगवान श्री परशुराम चौक का उदघाटन किया। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की । इससे पहले कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने मां सरस्वती मंदिर में माथा टेका और पूजा अर्चना की जनसमुह को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि तीर्थ नगरी में बनाए गए भगवान श्री परशुराम चौक से युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस तीर्थ नगरी में हर वर्ष देश विदेश में लाखों श्रद्धालु पहुंचते है और इस चौक की भव्यता और सौंदर्यीकरण की अनूठी छाप यह पर्यटक अपने-अपने गृह क्षेत्र में लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों के कारण हरियाणा में लगातार पर्यटन के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे है और हर चिन्हित क्षेत्र को पर्यटन के हिसाब से विकसित किया जा रहा है। इस चौक पर स्थापित किए गए भव्य शंख और उस पर भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा लगने से तीर्थ नगरी पिहोवा के सौंदर्यीकरण में चार चांद लगे है। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी के पानी के बहाव को पिहोवा तक तेजी से चलाने का कार्य किया जाएगा, पिहोवा ड्रेन को सरस्वती ड्रेन घोषित किया जाएगा और मुख्यमंत्री की घोषणाओं में पिहोवा के मुख्य मार्ग को फोरलेन करने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता डीडी शर्मा ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी पिहोवा के मुख्य चौक का जीर्णोद्धार करके लगाया गया भव्य और सुंदर शंख चौक को चार चांद लगाएगा। इस चौक के जीर्णोद्धार पर लगभग 50 लाख रुपए का बजट खर्च किया है। इस तीर्थ स्थली को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए लगातार सरकार की तरफ से कार्य किए जा रहे है। इस तीर्थ नगरी में सरस्वती महोत्सव और अन्य बड़े कार्यक्रमों का आयोजन करके पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन आशीष चक्रपाणि, जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी,एसडीएम अनिल कुमार दून, डीएमसी अमन कुमार, नगरपालिका सचिव अशोक कुमार , रोशनलाल शर्मा ,अकुंर परासर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

फ्लाई ऐश के सतत उपयोग पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

एनपीटीआई - सीईए ने थर्मल पावर प्लांटों में चुनौतियाँ और अवसर पर किया राष्ट्रीय सम्मेलन

पंचकूला ऑब्जर्वर

फरीदाबाद, 20 मार्च। विद्युत क्षेत्र में पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से 'फ्लाई ऐश का सतत उपयोगः थर्मल पावर प्लांटों में चुनौतियाँ और अवसर÷ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य थर्मल पावर प्लांट्स में उत्पन्न होने वाली फ्लाई ऐश के प्रभावी प्रबंधन, उसके औद्योगिक एवं उभरते उपयोगों, नीति ढांचे तथा उससे जुड़े व्यावसायिक एवं राजस्व अवसरों पर विस्तृत विचार-विमर्श करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सनोज कुमार झा, अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, प्रवीण गुप्ता, सदस्य (थर्मल) CEA और स्वप्नेंदु कुमार पांडा, सदस्य (तकनीकी), दामोदर वैली कॉरपोरेशन ने दीप प्रज्ज्वलन कर की। हेमंत जैन, महानिदेशक, NPTI एवं सदस्य, CEA ने सभी अतिथियों का पौधा भेंटकर भव्य स्वागत किया ।

राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वागत संबोधन देते हुए हेमंत जैन, महानिदेशक, NPTI एवं सदस्य, CEA ने सम्मेलन में पहुंचे सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद सनोज कुमार झा, अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, प्रवीण गुप्ता, सदस्य (थर्मल) CEA और स्वप्नेंदु कुमार पांडा, सदस्य (तकनीकी), दामोदर वैली कॉरपोरेशन 'फ्लाई ऐश का सतत उपयोगः थर्मल पावर प्लांटों में चुनौतियाँ और अवसर÷ पर विस्तार से जानकारी दी।

राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन डॉ. इंदु माहेश्वरी, प्रिंसिपल डायरेक्टर (प्रशिक्षण), ह्क्क्ष्ढ्ढ द्वारा प्रस्तुत किया गया। बता दें की इस राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्युत क्षेत्र से जुड़े नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं तथा विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया गया, ताकि फ्लाई ऐश के सतत एवं प्रभावी उपयोग के लिए व्यावहारिक एवं क्रियान्वित किए जाने वाले सुझावों पर सार्थक चर्चा की जा सके। सम्मेलन के माध्यम से थर्मल पावर प्लांट्स में उत्पन्न फ्लाई ऐश के बेहतर प्रबंधन एवं उसके व्यापक उपयोग के नए अवसरों को तलाशने पर विशेष जोर दिया गया।

वीर दास ने बताया भारत में क्यों नहीं हो सकती ऑस्कर जैसी अवॉर्ड होस्टिंग?

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें। कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे।

एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

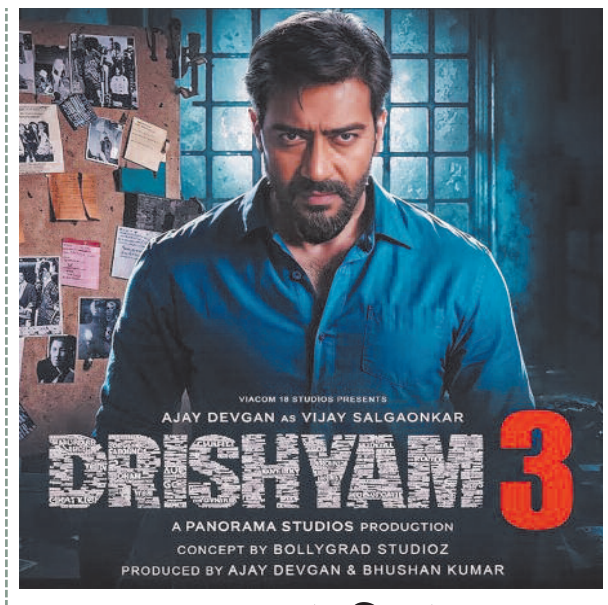

'दृश्यम' 3' में दिखेगा नया चक्रव्यूह, अजय और जयदीप के बीच होगी साइकोलॉजिकल वॉर

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। इस फिल्म की आधी शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पूरी यूनिट अपने सबसे निर्णायक पड़ाव गोवा के लिए उड़ान भरने को तैयार है। आगामी 25 फरवरी को अजय देवगन अपनी टीम के साथ गोवा पहुंचेंगे, जहां कहानी की किस्मत तय करने वाले सीन्स फिल्माए जाएंगे। 'माइंड गेम्स' का आगाज मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है।

जयदीप अहलावत का किरदार पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद 'पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

तीसरा पार्ट पूरी तरह मौलिक और नॉर्थ के दर्शकों के लिहाज से है

निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

'सरके चुनर' विवाद पर नोरा फतेही ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही इन दिनों पैन इंडिया फिल्म 'केडी- द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों का सामना कर रही हैं। इस गाने में उनके साथ संजय दत्त नजर आ रहे हैं। गाना रिलीज के बाद से सुर्खियों में छाया हुआ है, जिसे बाद में बढ़ते विरोध के बाद मेकर्स ने यूट्यूब से हटा दिया। दूसरी तरफ, गाने के बोल और डांस स्टेप्स को लोग अश्लील करार दे रहे हैं और विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती दिख रही है, 'तीन साल पहले मैंने इस गाने को कन्नड़ भाषा में शूट किया था। मैंने यह गाना इसलिए किया क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म थी और इसमें बड़े अभिनेता संजय दत्त हैं। मुझे फिल्म मेकर्स पर भी काफी भरोसा था, इसलिए मैं इस गाने को करने के लिए राजी हो गई। जब मैंने यह गाना शूट किया तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है, लेकिन जब मैंने इसको हिंदी में सुना तो मुझे समझ में आया कि यह बेहद भद्दा है।'

इस वीडियो को साझा करते हुए नोरा ने कैप्शन में लिखा, ''मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि कोई यह सोचे कि मैं इस चीज का समर्थन करती हूं। जो भी विरोध हुआ है, उसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म मेकर्स ने आखिरकार उस गाने को हटा दिया।'' उन्होंने आगे लिखा, ''मैं सभी से यह भी अनुरोध करती हूं कि कृपया उस गाने को आगे शेयर करना बंद करें, क्योंकि ऐसा करके आप उसे बेवजह और प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। दूसरी तरफ, मैं यह भी देख रही हूं कि कुछ लोग इस मौके का इस्तेमाल मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठाने के लिए कर रहे हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'' नोरा ने आखिर में लिखा, ''खैर, मैं और मेरी टीम आगे से ऐसे मामलों में और ज्यादा सावधानी बरतेंगे। लेकिन, मैं फिर से साफ करना चाहती हूं कि मुझे उस हिंदी गाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, मैंने उस पर परफॉर्म नहीं किया और मेरी इमेज के साथ उसे इस्तेमाल करने की कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।''

विजय सेतुपति ने एटली की फिल्ममेकिंग की तारीफ करते हुए बताया क्यों 'जवान' के लिए कहा 'हां'

अभिनेता विजय सेतुपति ने हाल ही में फिल्ममेकर एटली के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' में काम करने के अनुभव पर बात करते हुए बताया कि उन्हें उनकी कहानी कहने की शैली में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया। गौरतलब है कि साल 2023 की इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म में शाहरूख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर न सिर्फ जबरदस्त सफलता हासिल की थी, बल्कि साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में भी शामिल रही थी। फिल्म में विजय सेतुपति ने खतरनाक विलेन काली गायकवाड़ का किरदार निभाया था, और उनके साथ नयनतारा और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान सेतुपति ने एटली के काम करने के तरीके की तारीफ करते हुए बताया कि उन्हें उनके साथ काम करना क्यों पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे एटली के फिल्म बनाने का तरीका बहुत पसंद है। उन्हें पता होता है कि किसी सीन या शॉट को कहाँ ऊंचाई देनी है और उसे किस तरह दिलचस्प बनाना है। और उन्हें अपने सीन्स को लेकर बहुत भरोसा होता है। इसलिए मुझे उनका काम करने का तरीका अच्छा लगता है।' सेतुपति ने यह भी खुलासा किया कि शाहरूख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना भी इस फिल्म को करने की एक बड़ी वजह थी। उन्होंने कहा, 'और फिर जाहिर है, बात शाहरुख सर की भी थी, तो बस उन्हीं के लिए मैंने यह फिल्म की।

'हेट स्टोरी 3' के बाद नीची नजरों से देखने लगे थे लोग, जरीन खान ने आपबीती सुनाई

सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान लंबे समय से स्क्रीन से गायब हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'हेट स्टोरी 3' के बारे में बात की। बताया कि इसमें उनके काम की जमकर आलोचना हुई थी। उनकी एक्टिंग पर सवाल भी उठाए थे। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी, लेकिन उनके लिए ये नए मौके लेकर नहीं आई। जरीन खान ने एक पॉडकास्ट में फिल्म 'हेट स्टोरी 3' के सीन्स के बारे में बात की, जिसके कारण इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने उनके बारे में गलत बातें कही थीं। जरीन खान ने कहा, 'हेट स्टोरी 3 के बाद फिल्म इंडस्ट्री लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे थे। वो कहते थे कि ये एक्टिंग नहीं कर सकती इसलिए उसने कपड़े ही उतार दिए।'

जरीन खान को 'अक्सर 2' मिली

एक्ट्रेस को 'हेट स्टोरी 3' की सफलता के बाद 'अक्सर 2' के लिए अप्रोच किया गया था। इसका डायरेक्शन अनंत महादेवन ने किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें पहले इस मूवी के बारे में जो कहानी बताई गई थी, वो बिलकुल 'हेट स्टोरी 3' के जैसे नहीं थी। एकदम अलग थी। लेकिन जब शूटिंग शुरू हुई तो उन्होंने देखा कि कई किसिंग सीन्स और रिवीलिंग कॉस्ट्यूम्स शामिल थे। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें ऐसे सीन्स करने में कोई दिक्कत नहीं लेकिन जब उन्होंने मूवी के लिए हां कहा था तो उसमें ये सारी चीजें नहीं बताई गई थीं। 'मैंने मेकर्स से कहा कि ये सब करने में मुझे कोई परेशानी नहीं लेकिन आपने मुझे ये सब नहीं बताया था। आप हेट स्टोरी देखकर ये सब इसमें एड कर रहे हैं। बाद में मुझे पता चला कि डायरेक्टर थाली का बैंगन का था। वह प्रोड्यूसर को कुछ कहानी बताता और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम्स डिजाइनर को कुछ और।'

जरीन खान को 'अक्सर 2' की स्क्रीनिंग में नहीं बुलाया

एक्ट्रेस ने बताया कि बाद में उनके मेकर्स ने हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ और रिवीलिंग करने को कहा था। 'ऐसा उन लोगों ने सिर्फ इसलिए किया क्योंकि मैंने पहली फिल्म में ये सीन्स किए थे। जो कि सही नहीं। मैं ज्यादा ड्रामे करने वाली इंसान नहीं हूं। मुझे पता है कि लोगों का पैसा लगा हुआ है इसलिए मैं बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करती हूं। लेकिन फिल्म के पूरे होने तक इतना तनाव बढ़ गया था कि इसकी स्क्रीनिंग पर मुझे ही इन्वाइट नहीं किया गया था।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com